

दिनांक 16 जनवरी, 2020 को BNR Chankya में Oil & Gas Conservation-2020 सक्षम (संरक्षण क्षमता महोत्सव) के उद्घाटन अवसर पर माननीया राज्यपाल के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:-

- मुझे प्रसन्नता है कि तेल और गैस कम्पनियों के साथ-साथ ही पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संगठन द्वारा पूरे देश में 16 जनवरी, 2020 से 15 फरवरी, 2020 की अवधि के दौरान तेल और गैस संरक्षण अभियान आयोजित किया जाएगा जिसका विषय “सक्षम-2020” है। इस कार्यक्रम में आप सभी के मध्य सम्मिलित होकर मुझे प्रसन्नता हो रही है।
- **Hydrocarbons** की हमारे देश की आर्थिक वृद्धि की गति को बनाए रखने में महती भूमिका है। वर्तमान में, भारत विश्व में ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती हुई मांग के उच्च बने रहने की संभावना है क्योंकि तेल और प्राकृतिक गैस का योगदान देश में कुल ऊर्जा आवश्यकता के एक तिहाई से अधिक है।
- घरेलू तेल और गैस की सीमित उपलब्धता को देखते हुए भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 80% आयात कर रहा है। इस भारी आयात निर्भरता और हमारे आर्थिक संसाधनों पर इसके उत्तरवर्ती दबाव को देखते हुए पेट्रोलियम उत्पादों का संरक्षण करने पर विशेष बल देने की आवश्यकता है।

- प्रकृति में संसाधन सीमित हैं। दूसरे शब्दों में, प्रकृति में उपलब्ध ऊर्जा भी सीमित है। इस बढ़ती जनसंख्या के साथ मनुष्य की आवश्यकताएँ भी बढ़ती ही जा रही हैं। दिन-प्रतिदिन सड़कों पर मोटर-गाड़ियों की संख्या में अतुलनीय वृद्धि हो रही है। रेलगाड़ी हो या हवाई जहाज सभी की संख्या धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है।
- पेट्रोलियम उत्पादों का और अधिक महत्वपूर्ण रूप से संरक्षण अनिवार्य है। जिससे जलवायु परिवर्तन संबंधी चिन्ताओं का समाधान किया जा सके और भावी पीढ़ियों के लिए स्वस्थ जीवनयापन हेतु अपने पर्यावरण को तथा दीर्घकालिक विकास को सुरक्षित किया जा सके।
- इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि पेट्रोलियम का बेहतर और ज्यादा कुशल उपयोग करके इसे संरक्षित किया जाए ताकि इसके परिणामस्वरूप ऊर्जा के कुशलतम उपयोग खर्चीली पद्धतियों को न्यूनतम करने और पर्यावरण को संरक्षित करने कि उपलब्धि हासिल की जा सके।
- यह केवल तभी संभव हो पाएगा जब उद्योग, व्यक्तिगत नागरिक, संगठन, तेल कंपनियाँ और सरकार पेट्रोलियम संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी में भागीदारी करें ताकि ऊर्जा के उपलब्ध संसाधनों का संरक्षण किया जा सके और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण का निर्माण किया जा सके।
- हम सभी को खाना पकाने, परिवहन, कृषि और उद्योगों में पेट्रोलियम उत्पादों का प्रयोग करते समय सामान्य, सरल, आसानी से **implementation** योग्य उपायों को अपना कर तेजी से समाप्त हो रहे पेट्रोलियम संसाधनों का संरक्षण

करने की मुहिम में शामिल होना चाहिए ताकि इन संसाधनों के इष्टतम उपयोग और कार्य कुशलता को हासिल किया जा सके। इससे हमें धन को बचाने और तेल उत्पादन तथा खपत से संबंधित प्रतिकूल सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण संबंधी प्रभावों, जिसमें वायु प्रदूषण, **Global Warming**, जल प्रदूषण, आयात पर निर्भरता आदि शामिल हैं को समाप्त करने में भी मदद मिलेगी।

- इस वर्ष यह प्रस्ताव है कि तेल और गैस कम्पनियों के साथ-साथ ही पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संगठन द्वारा पूरे देश में 16 जनवरी, 2020 से 15 फरवरी, 2020 की अवधि के दौरान तेल और गैस संरक्षण अभियान आयोजित किया जाएगा जिसका विषय “सक्षम-2020” है। आशा है कि इस अवधि के दौरान व्यापक कार्यक्रमों के जरिए पेट्रोलियम संरक्षण से संबंधित आवश्यकता, मुद्दे और उनके समाधान के बारे में जनता की जागरूकता बढ़ाई जाएगी तथा वे पेट्रोलियम उत्पादों के प्रभावी उपयोग के संबंध में सक्षम हो सकेंगे जिससे स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रयास तेज होंगे।
- मैं प्रत्येक नागरिक से अपील करती हूँ कि वे सरल और सुगम कार्यान्वयन योग्य ईंधन संरक्षण उपयों को अपने जीवन के एक अनिवार्य भाग के रूप में अपनायें और राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा को प्राप्त करने की दिशा में पूरे मन से अपना समर्थन दें।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!